Welcome

TO THE TEAM

National

EMPLOYMENT SERVICE

www.nationalemployment.in

WRITTI

HEALTH RESEARCH &

DEVELOPMENT OBSERVATORY

www.writtihealth.com

Rural India is struggling with shortage of doctors, paramedical staff

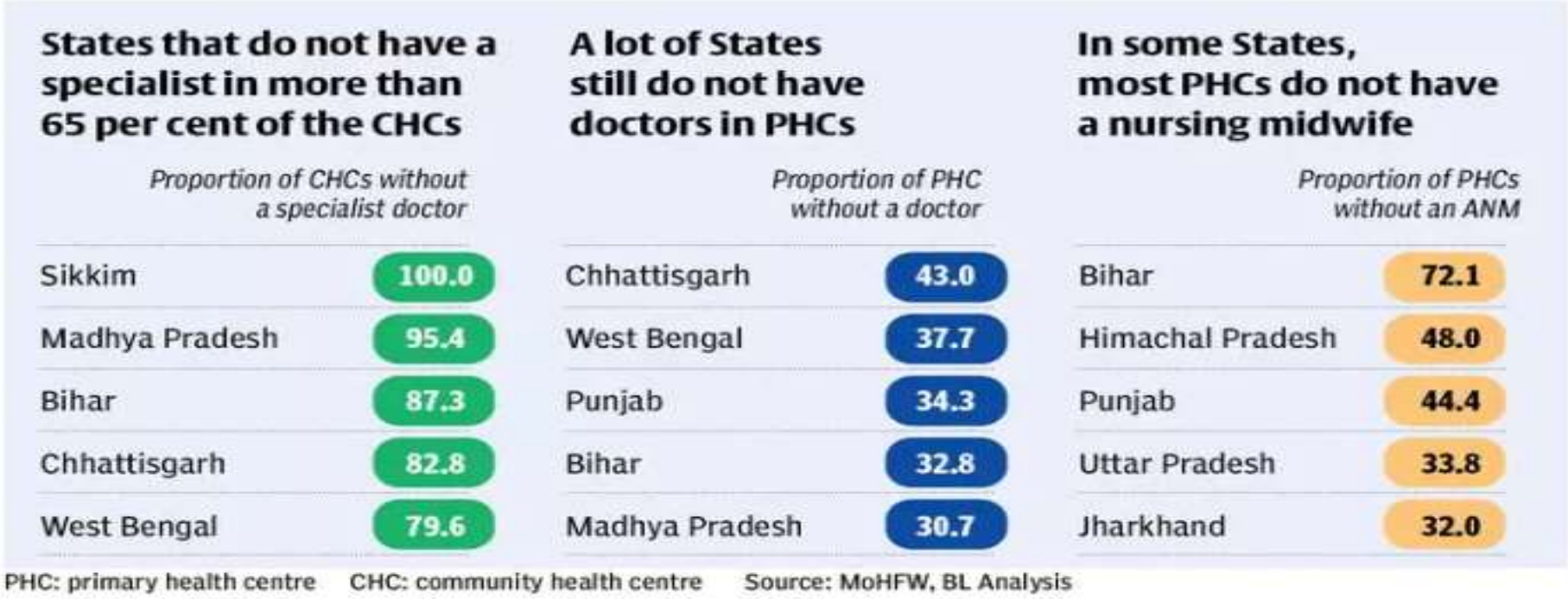

- **Nine states including UP, MP and Rajasthan suffer worst healthcare in India**

As told to Parliament (April 5, 2022): India's doctor-population ratio is 1:834

Specialist doctor crisis persists in rural India; no change in last five years despite rising seats in medical colleges

Experts say that specialists, particularly surgical and interventional, require a range of equipment to effectively practise their specialities. When Community Health Centres do not have these infrastructural support, they might be preferring to work in tertiary healthcare facilities where their skills could be more widely utilised and remunerated.

Poor healthcare kills 16 lakhs in India every year, finds study

Medical negligence - 70% of deaths are a result of miscommunication'

Strike is one of the reason the patient can't get proper medical care and dying.

ALTERNATIVE MEDICAL SERVICES CAN DRAG THE LINE BETWEEN THE HEALTH AND DISEASE AND GIVE THE HOLISTIC HEALTH TO THE SOCIETY.

TODAY ALTERNATIVE MEDICINE ARE USED GLOBALLY TO TREAT VARIOUS DISEASES AND GET THE HOLISTIC HEALTH.

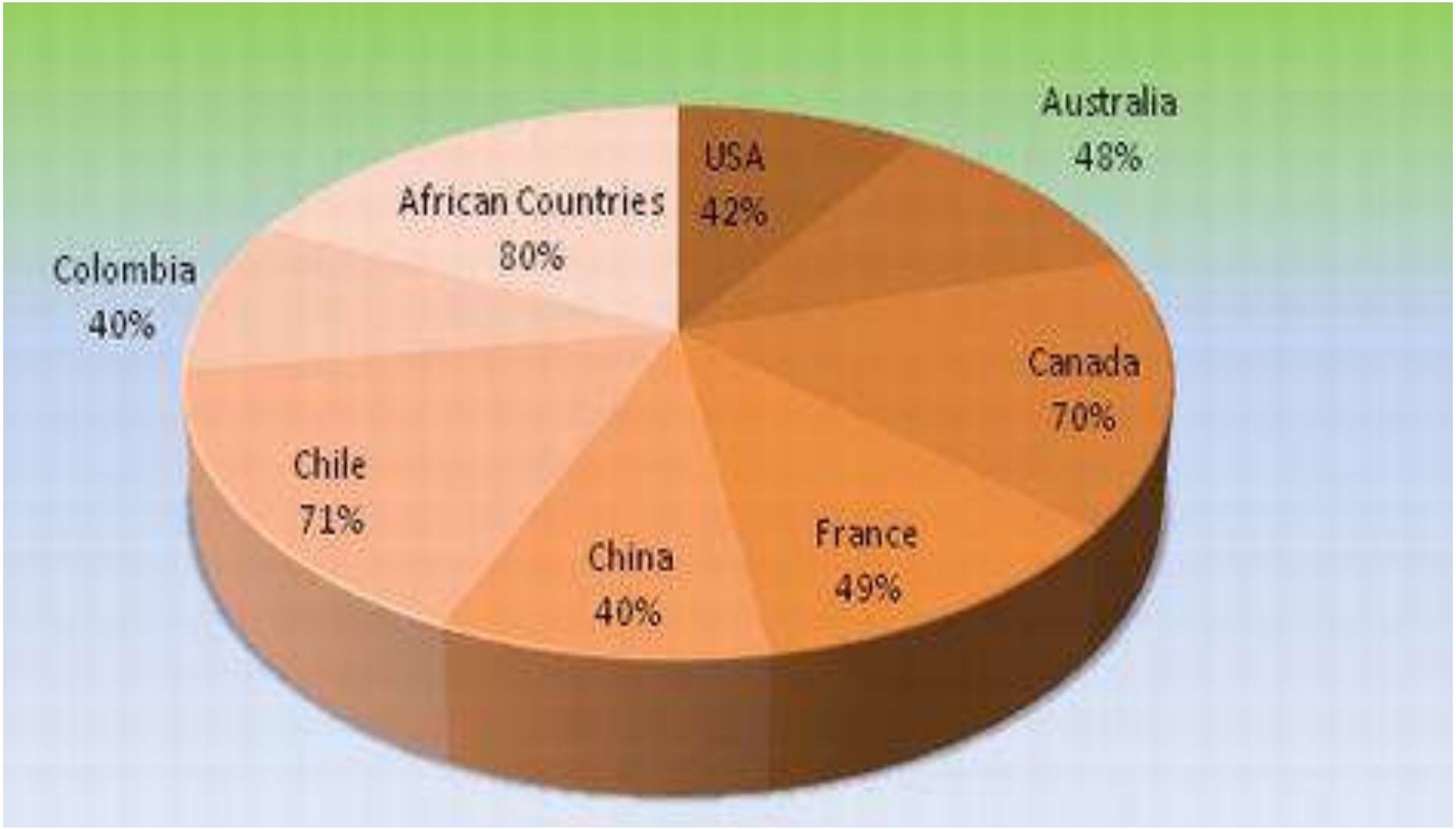

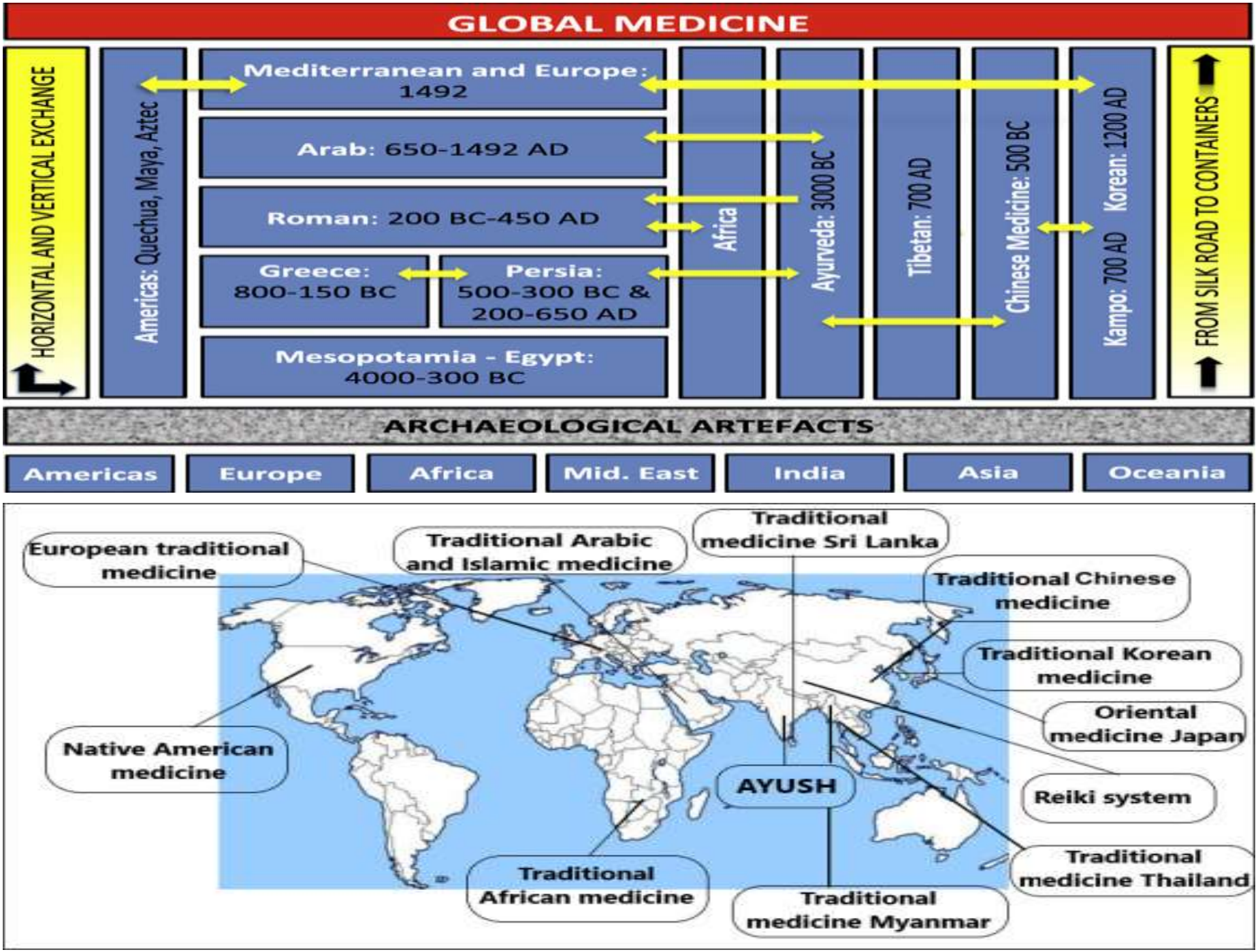
GLOBAL MEDICINE
HORIZONTAL AND VERTICAL EXCHANGE
Americas: Quechua, Maya, Aztec
Mediterranean and Europe: 1492
Arab: 650-1492 AD
Roman: 200 BC-450 AD
Greece: 800-150 BC
Persia: 500-300 BC & 200-650 AD
Mesopotamia - Egypt: 4000-300 BC
Africa
Ayurveda: 3000 BC
Tibetan: 700 AD
Chinese Medicine: 500 BC
Kampo: 700 AD
Korean: 1200 AD
FROM SILK ROAD TO CONTAINERS
ARCHAEOLOGICAL ARTEFACTS
Americas
Europe
Africa
Mid. East
India
Asia
Oceania
European traditional medicine
Traditional Arabic and Islamic medicine
Traditional medicine Sri Lanka
Traditional Chinese medicine
Traditional Korean medicine
Oriental medicine Japan
Native American medicine
AYUSH
Reiki system
Traditional African medicine
Traditional medicine Myanmar
Traditional medicine Thailand

AYUSH SYSTEM OF MEDICINE IN INDIA

INDUSTRY MEET
NATIONAL AROGYA FAIR 2023

Fair
2023

NATIONAL
AROGYA FAIR 2023
RESERVED

National workshop
Jaipur, Rajasthan, India
Mahatma Gandhi Institute of Health Informatics, Sitapura, Jaipur, Rajasthan 303905, India
Lat 26.768914°
Long 75.855534°
23/05/22 11:28 AM
Google

राजस्थान में वेलनेस टूरिज्म उद्योग की अपार संभावनाएं

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. सीतापुरा के जेईसीसी में पीएचडी चैम्बर के ओर से राज्य और केंद्र सरकार के आयुष विभाग के सहयोग से आरोग्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस चार दिवसीय मेले के दूसरे दिन यहां कई तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इनमें देशभर से आए विशेषज्ञों ने आयुष के साथ राजस्थान में मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म के विकास की अपार संभावनाएं जताई। प्रोफेसर कमलेश कुमार ने कोविड और इस तरह की बीमारियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आयुर्वेद उत्पादों के महत्व, कौस्तुभ शर्मा ने वेलनेस टूरिज्म , डॉ स्वामी मुक्तानंद निर्मोही ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आयुष के साथ विश्व की सभी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के महत्व, डॉ फिरोज खान ने यूनानी चिकित्सा पर और डॉ पीटर फ्रांसिस ने आयुष उत्पादों के टेस्टिंग प्रोटोकॉल और सर्टिफिकेशन पर व्याख्यान दिया। यहां देशभर की आयुष कंपनियों ने अपनी स्टॉल लगाई है। आरोग्य मेले का खास आकर्षण देश के जाने- माने आयुष चिकित्सकों की ओर से निशुल्क परामर्श और लाइव डेमोस्ट्रेशन है। इसमें शुक्रवार को 1 हजार से ज्यादा लोगों ने इसका लाभ उठाया। आरोग्य मेले में सभी के लिए प्रवेश निशुल्क रखा गया है।

तकनीकी सत्रों का आयोजन

कोविड के बाद आयुर्वेद उत्पादों के निर्यात में इजाफा

जयपुर@पत्रिका. कोविड के बाद पूरी दुनिया में आयुर्वेदिक औषधि और उत्पादों के प्रति विश्वास बढ़ा है। जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में आयुर्वेदिक उत्पादों की मांग में जोरदार इजाफा हुआ है। अनुमान है कि 2020 के बाद विदेशों में भारतीय आयुर्वेदिक उत्पादों की मांग में 50 प्रतिशत से ज्यादा वृद्धि हुई है। सीतापुरा के जेईसीसी में केंद्र और राज्य सरकार के साथ पीएचडी चैम्बर की ओर से लगाए गए आरोग्य मेले के तकनीकी सत्र में कोच्ची से आए आयुष प्रोडक्ट सर्टिफिकेशन के प्रभारी डॉ. पीटर फ्रांसिस ने बताया कि घरेलू बाजार के लिए स्टैण्डर्ड मार्क सर्टिफिकेट और अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए प्रीमियम मार्क सर्टिफिकेट से हमारे उत्पादों की गुणवत्ता साबित करने में मदद मिलती है। विशेषज्ञों ने आयुष के साथ राजस्थान में मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म के विकास की अपार संभावनाएं जताई। प्रोफेसर कमलेश कुमार ने कोविड और इस तरह की बीमारियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आयुर्वेद उत्पादों के महत्व पर व्याख्यान दिया। यहां देशभर की आयुष कंपनियों ने अपनी स्टॉल लगाई है।

दैनिक भास्कर
जयपुर 22-04-2023

कर

berg की खबरों के साथ

प्रदेश में 10 हेल्थ और वैलनेस सेंटर के लिए होगा 300 करोड़ रुपए का निवेश

मेडिकल और वैलनेस टूरिज्म में केरल को चुनौती की तैयारी, बढ़ेगा सरकार का राजस्व

जयपुर | प्रदेश में केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से पीपीपी मोड पर 10 हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर विकसित किए जाएंगे। इनमें करीब 300 करोड़ रुपए का निवेश होगा। सीतापुरा के जेईसीसी में पीएचडी चैंबर और राज्य व केंद्र सरकार के आयुष विभागों की ओर से आयोजित चार दिवसीय आरोग्य मेले के दूसरे दिन तकनीक सत्र के दौरान आयुष अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजस्थान में मेडिकल टूरिज्म की अपार संभावना है। इसके मद्देनजर 10 हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर विकसित किए जाएंगे। ये सेंटर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर होंगे।

केंद्र सरकार की ओर से पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पहला सेंटर 50 करोड़ की लागत से नाथद्वारा में तैयार किया जा रहा है। बाकी सेंटरों के लिए राज्य सरकार जमीन मुहैया कराएगी। सेंटरों का विकास निजी क्षेत्र की ओर से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुंभलगढ़, पुष्कर, रणथंभौर, उदयपुर, आमेर, राजसमंद, सरिस्का, खाटूश्यामजी, जीण माता और सालासर को हेल्थ व वैलनेस सेंटर के लिए चिह्नित किया गया है। इन सेंटरों पर आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से शारीरिक और मानसिक बीमारियों के निदान के लिए विशेष वातावरण और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। मेले में शुक्रवार को प्रो. कमलेश कुमार ने कोविड और इस तरह की बीमारियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आयुर्वेद उत्पादों के महत्व, कौस्तुभ शर्मा ने वेलनेस टूरिज्म, डॉ. स्वामी मुक्तानंद निर्मोही ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आयुष के साथ विश्व की सभी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के महत्व, डॉ. फिरोज खान ने यूनानी चिकित्सा पर और डॉ. पीटर फ्रांसिस ने आयुष उत्पादों के टेस्टिंग प्रोटोकॉल और सर्टिफिकेशन पर चर्चा की।

वेलनेस सेंटरों से रोजगार बढ़ेगा: ढाबरिया

पीएचडी चैंबर राजस्थान के अध्यक्ष दिग्विजय ढाबरिया ने बताया कि हेल्थ और वैलनेस सेंटर से केरल की तरह राजस्थान में भी वैलनेस टूरिज्म उद्योग विकसित हो सकेगा। इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होने के साथ सरकार को राजस्व भी बढ़ेगा। आयुर्वेद उत्पादों की औद्योगिक इकाइयां विकसित हो सकेंगी।

राजस्थान में वेलनेस टूरिज्म उद्योग के अपार अवसर

आरोग्य मेले में विशेषज्ञों ने तकनीकी सत्रों में की चर्चा

ब्यूरो/नवज्योति,जयपुर। सीतापुरा के जेईसीसी में पीएचडी चैम्बर की ओर से राज्य और केंद्र सरकार के आयुष विभाग के सहयोग से आरोग्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस चार दिवसीय मेले के दूसरे दिन यहां कई तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इनमें देशभर से आए विशेषज्ञों ने आयुष के साथ राजस्थान में मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म के विकास की अपार संभावनाएं जताई। प्रोफेसर कमलेश कुमार ने कोविड और इस तरह की बीमारियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आयुर्वेद उत्पादों के महत्व, कौस्तुभ शर्मा ने वेलनेस टूरिज्म, डॉ स्वामी मुक्तानंद निर्मोही ने शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए आयुष के साथ विश्व की सभी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के महत्व, डॉ फिरोज खान ने यूनानी चिकित्सा पर और डॉ पीटर फ्रांसिस ने आयुष उत्पादों के टेस्टिंग प्रोटोकॉल और सर्टिफिकेशन पर व्याख्यान दिया। यहां देशभर की आयुष कंपनियों ने अपनी स्टॉल लगाई है। आरोग्य मेले का खास आकर्षण देश के जाने-माने आयुष चिकित्सकों की ओर से निःशुल्क परामर्श और लाइव डेमोस्ट्रेशन है। इसमें शुक्रवार को एक हजार से ज्यादा लोगों ने इसका लाभ उठाया। आरोग्य मेले में सभी के लिए प्रवेश निःशुल्क रखा गया है।

शिखर सम्मेलन : जुटेंगे जी-20 देशों के स्वास्थ्य मंत्री

पारंपरिक चिकित्सा को वैश्विक स्तर पर लाने की तैयारी में भारत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन का संयुक्त आयोजन

गांधीनगर. जामनगर में पिछले साल डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन खुलने के बाद अब भारत ने डब्ल्यूएचओ के साथ मिलकर परंपरागत चिकित्सा को वैश्विक पहचान देने की दिशा में बड़ी पहल की है। आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन 17-18 अगस्त को गांधी नगर स्थित महात्मा मंदिर में पारंपरिक चिकित्सा पर पहला वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। इस तरह का ये पहला सम्मेलन होगा। डब्ल्यूएचओ-जीसीटीएम दुनिया भर में पारंपरिक चिकित्सा के लिए एकमात्र वैश्विक केंद्र है। सम्मेलन में जी-20 देशों के स्वास्थ्य मंत्री, डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक, वैश्विक विशेषज्ञ आदि भाग लेंगे। डब्ल्यूएचओ महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया करेंगे।

पारंपरिक चिकित्सा में साक्ष्य-आधारित शोध के लिए समन्वय पर जोर

पारंपरिक चिकित्सा की प्रगति का परिणाम

डब्ल्यूएचओ और आयुष मंत्रालय की प्रेसवार्ता में केंद्रीय आयुष राज्यमंत्री डॉ. मुंजपरा महेंद्रभाई ने कहा कि शिखर सम्मेलन के समापन पर एक घोषणापत्र जारी होगा। महेंद्रभाई ने कहा कि भारत में पारंपरिक चिकित्सा पर हो रहा वैश्विक आयोजन देश की विभिन्न पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की प्रगति का परिणाम है। भारत ने दूरदर्शी नीतियों और डिजिटल पहल से पारंपरिक प्रथाओं का आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ मिश्रण करके पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के माध्यम से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्राप्त करने का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि दुनिया की करीब 80 प्रतिशत आबादी पारंपरिक चिकित्सा, जैसे कि हर्बल मिश्रण, एक्यूपंक्चर, योग, आयुर्वैदिक और स्वदेशी चिकित्सा का उपयोग करती है।

कल्पवृक्ष होगा प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण

बैठक में एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें विश्व की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियां प्रदर्शित की जाएंगी। डब्ल्यूएचओ ने वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति को दिखाने के लिए इस प्रदर्शनी में कल्पवृक्ष के रूप में प्राकृतिक पर्यावरण के साथ पारंपरिक चिकित्सा के अंतर्संबंध को प्रदर्शित किया है, जो प्रदर्शनी का एक मुख्य आकर्षण होगा। योग और ध्यान सत्र भी आयोजित होंगे।

साक्ष्य-आधारित शोध को बढ़ावा: शिखर सम्मेलन में दुनिया भर में उपयोग की जाने वाली 140 से अधिक प्रकार की पारंपरिक दवाओं और विधियों पर साक्ष्य-आधारित शोध के लिए समन्वय तथा डाटा और जानकारी के आदान-प्रदान की दिशा में काम किया जाएगा।

भारत पारंपरिक चिकित्सा का केंद्र, दूसरे देशों को सीखने की जरूरत : डब्ल्यूएचओ

डॉ. गैब्रेयसस ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में टीबी संक्रमण के खिलाफ भारत की लड़ाई सराहनीय

परीक्षित निर्भय

गांधीनगर। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अदनोम गैब्रेयसस ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा का इतिहास बहुत प्राचीन है। भारत इसका केंद्र रहा है। करीब 3500 साल से इस चिकित्सा का लाभ लिया जा रहा है। आज भी करीब 40 फीसदी दवाओं और फार्मास्युटिकल उत्पादों का आधार प्राकृतिक उत्पाद हैं। अन्य देशों को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए।

गुजरात के गांधीनगर में गुरुवार को शुरू हुए पारंपरिक चिकित्सा पर पहले वैश्विक शिखर सम्मेलन में डॉ. गैब्रेयसस ने कहा कि भारत ने आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी चिकित्सा की ताकत बढ़ाने के लिए काफी बेहतर कार्य किए हैं। इन कार्यों को अपनाकर अन्य देशों को भी पारंपरिक चिकित्सा को आगे लाने का काम करना चाहिए। उन्होंने भारत सहित उन देशों से साक्ष्य आधारित कार्यों को लेकर सुझाव मांगे हैं, जहां पारंपरिक चिकित्सा पर सबसे ज्यादा कार्य किया जा रहा है। बाद में डब्ल्यूएचओ इन सुझावों को वैश्विक रणनीति में शामिल कर सकता है। उद्घाटन सत्र में डॉ. गैब्रेयसस ने कहा, मुझे उम्मीद है कि इस सम्मेलन में लिए गए फैसले राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों में पारंपरिक दवाओं के उपयोग को एकीकृत करेंगे। साथ ही विज्ञान के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा की शक्ति बढ़ाने में मदद करेंगे।

पारंपरिक चिकित्सा में ये शामिल : केंद्रीय आयुष मंत्रालय इस सम्मेलन की सह मेजबानी कर रहा है। पारंपरिक चिकित्सा में एक्यूपंक्चर, हर्बल दवाएं, स्वदेशी पारंपरिक चिकित्सा, होम्योपैथी, आयुर्वेद, यूनानी, प्राकृतिक चिकित्सा शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, एस्पिरिन और आर्टीमिसिनिन जैसी दवाओं की खोज पारंपरिक चिकित्सा से हुई है।

डॉ. टेड्रोस अदनोम गैब्रेयसस

भारत की तरह एकीकृत चिकित्सा पर करें काम

डॉ. गैब्रेयसस ने कहा कि एकीकृत चिकित्सा को लेकर भारत ने अपने अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर काफी अच्छा मॉडल तैयार किया है, जिसे विकसित और विकासशील देश भी अपना सकते हैं। यह एक ऐसा मॉडल है, जिसके जरिये सदस्य देश अपनी आबादी को एक ही छत के नीचे एलोपैथी और पारंपरिक चिकित्सा दोनों की सुविधा दे सकते हैं।

170 देश पारंपरिक औषधियों का कर रहे इस्तेमाल

डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा कि आज भी दुनिया के 170 देश पारंपरिक औषधियों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसका लाभ करीब 80 फीसदी आबादी किसी न किसी रूप में ले रही है। इससे पता चलता है कि ये चिकित्सा पद्धतियां आज के आधुनिक युग में भी कारगर हैं और भारत में इन्हें बहुत अधिक महत्व भी दिया जाता है।

टीबी के खिलाफ भारत के प्रयास उल्लेखनीय : डॉ. गैब्रेयसस ने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में टीबी संक्रमण के खिलाफ भारत की लड़ाई और उल्लेखनीय प्रयासों की सराहना करता हूं। टीबी मुक्त के लिए भारत के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण, बहु-क्षेत्रीय भागीदारी प्रयासों और फंडिंग की सराहना है। इससे अन्य देशों को प्रेरणा मिली है।

प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान अपनाएं : मांडविया

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान को अपनाकर, हम एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य लोकाचार को बढ़ावा देते हुए स्वास्थ्य संबंधी सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सामूहिक रूप से काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा, आधुनिक समय में प्राकृतिक और हर्बल आधारित फार्मास्युटिकल्स व सौंदर्य प्रसाधनों की मांग पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के स्थायी महत्व को रेखांकित करती है।

अब विदेशों में बढ़ेंगे भारतीय डॉक्टर-नर्स, विदेशी मरीज भी घर बैठे ले सकेंगे भारत आने की अनुमति

गांधीनगर। केंद्र ने डब्ल्यूएचओ के साथ मिलकर गांधीनगर में एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया पोर्टल की शुरुआत की है, जो न सिर्फ विदेशी मरीजों को घर बैठे भारत आकर इलाज कराने की अनुमति मुहैया कराएगा, बल्कि भारतीय डॉक्टर और नर्स को विदेशों में जाकर सेवा का अवसर भी देगा।

विदेशी मरीजों के लिए सरकार ने देश के 23 राज्यों के 98 शहरों के 352 अस्पतालों को इस ऑनलाइन

23 राज्यों के 352 अस्पतालों को ऑनलाइन पोर्टल से जोड़ा

मंच से जोड़ा है, ताकि किसी भी देश का नागरिक ऑनलाइन आवेदन कर इलाज के लिए अस्पताल का चयन कर सके। इन्हीं अस्पतालों में बेहतर प्रैक्टिस कर रहे 6,178 डॉक्टरों को भी मंच पर लाया है, ताकि उनकी केस स्टडी और अनुभव का लाभ दुनियाभर के मरीजों को मिल सके। ब्यूरो

अमेरिका की तुलना में इलाज 80 फीसदी सस्ता
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा, विकसित देशों की तुलना में भारत की चिकित्सा बहुत सस्ती और गुणवत्ता व पहुंच के लिहाज से काफी आकर्षक भी है। अध्ययन बताते हैं कि अमेरिका की तुलना में भारत में इलाज कराना एक विदेशी नागरिक को 70 से 80 फीसदी तक सस्ता पड़ता है।

आधुनिक चिकित्सा की कोई भी पद्धति पूरी तरह कारगर नहीं, एलोपैथी में सिर्फ 17 बीमारियों का प्रामाणिक इलाज

सलाह दी- सभी चिकित्सा पद्धतियों का समन्वय हो

मुकेश कौशिक | नई दिल्ली

कोरोना ने इलाज की पद्धतियों की सीमाओं और खामियों को उजागर किया है। कई डॉक्टर और आयुर्वेद के जानकार अपनी पद्धति को दूसरों से बेहतर बता रहे हैं। इन दावों के बीच देश के तीन शीर्ष अस्पतालों के डाक्टरों ने चिकित्सा पद्धतियों का अध्ययन किया। इस अध्ययन के बाद डॉक्टरों ने कहा- 'आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की कोई भी पद्धति पूर्ण कारगर नहीं है। एलोपैथी में सिर्फ 17 बीमारियों का प्रामाणिक इलाज है। इसमें बाकी बीमारियों का इलाज लक्षण आधारित है। जबकि 21 बीमारियां ऐसी हैं, जिनका पूर्ण इलाज एलोपैथी से बाहर ही संभव है।' अध्ययन में एम्स, दिल्ली की डॉ. बिंदिया पाहुजा, फोर्टिस के डॉ. अमन गुप्ता और सफदरजंग अस्पताल के डॉ. विजेंद्र कंवर ने हिस्सा लिया। अध्ययन का नाम "15 मिसिंग लिंक्स ऑफ मॉडर्न मेडिसिन' है। डॉ. अमन गुप्ता बताते हैं- 'सामान्य जुकाम से लेकर कैंसर, दमा, एलर्जी, गठिया, डेंगू, इबोला, आनुवांशिक विकार, डायबिटीज, एचआईवी संक्रमण, मोटापा, पोलियो जैसी बीमारियों को पूरी तरह ठीक करना संभव नहीं है। इनमें एलोपैथी मरीज को आराम देने के उपायों पर काम करती है।' डॉ. बिंदिया ने कहा- 'कोरोना ने सभी इलाज पद्धतियों की लाचारी सामने ला दी। एलोपैथी के अलावा अन्य चिकित्सा पद्धतियों से भी कोरोना का इलाज करने की कोशिश की गई। अब सभी चिकित्सा पद्धतियों के समन्वय की जरूरत है। ऐसे में एक-दूसरे का पूरक के तौर इस्तेमाल कर मरीजों का भला किया जा सकता है।'

अध्ययन में कोरोना के असर के आठ बड़े कारण बताए

अध्ययन में कोरोना के असर के 8 बड़ें कारण बताए गए हैं। जैसे- उन्हें कोरोना हुआ, जिनके शरीर में संक्रमण से लड़ने के लिए पर्याप्त ऊर्जा नहीं थी। जो ऊर्जा थी, उसका इस्तेमाल शरीर के दूसरे सिस्टम्स के फंक्शन पर अधिक हो रहा था। मरीज की रोग प्रतिरोधी प्रणाली दूसरी बीमारियों से लड़ने में व्यस्त थी। तनाव, भय, मस्तिष्क या स्नायु विकारों से मरीजों पर अधिक असर हुआ। अध्ययन मे सलाह दी गई है कि डॉक्टरों को इन कमियों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए गाइड की भूमिका निभानी चाहिए।

न्यूज डायरी

अब 5,000 की आबादी पर खुलेंगे वेलनेस सेंटर

लखनऊ। आयुष्मान भारत प्रोजेक्ट में प्रदेश के 7,000 स्वास्थ्य उपकेंद्रों में से 2,000 को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में बदला जाएगा। इन सेंटरों पर अब मधुमेह, ब्लड प्रेशर से जुड़ी बीमारियों का इलाज हो सकेगा। इससे मरीजों को उनके घर के पास ही सस्ती चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी। राष्ट्रीय हेल्थ मिशन (एनएचएम) के निदेशक पंकज कुमार ने बताया कि सेंटर पर कार्यरत नर्सों को 20,000 रुपये मानदेय दिया जाएगा। ब्यूरो

आयुष अस्पतालों के लिए धनराशि मंजूर

seobankgk.in

प्रक्रिया तेज

राज्य मुख्यालय | प्रमुख संवाददाता

अगले साल जून तक प्रदेश के 16 जिलों में खुलने जा रहे आयुष अस्पतालों के लिए केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय ने धनराशि मंजूर कर दी है। मंत्रालय ने प्रत्येक अस्पताल के लिए 9-9 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। 50 बिस्तरों के इन अस्पतालों में मरीजों को भर्ती करने की भी सुविधा होगी।

प्रत्येक अस्पताल की नौ करोड़ की परियोजना में केंद्र का 60 और राज्य सरकार का 40 फीसदी अंशदान होगा। केंद्र सरकार केवल भवन निर्माण और उपकरण के लिए सहायता देगी। इन अस्पतालों के लिए सरकार ने एक एकड़ की जमीन चिह्नित कर आयुष विभाग को दे दी है। आयुष के तहत आयुर्वेद, होम्योपैथिक और यूनानी चिकित्सा सरीखी विधाओं के अस्पताल एक छत के नीचे होंगे। इनमें मरीजों को योग और योग चिकित्सा के तहत पंचकर्म व अन्य क्रियाएं कराई जाएंगी।

संविदा पर होंगी 1000 भर्तियां

इन अस्पतालों में होंगी ये नियुक्तियां

आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथिक के दो-दो चिकित्सक कुल छह डाक्टर। एक रेजिडेंट चिकित्सा अधीक्षक, एक सहायक मेट्रन, 12 नर्सिंग स्टाफ, एक पंचकर्म तकनीशियन, एक योग प्रशिक्षक, तीन फार्मासिस्ट, दो प्रयोगशाला तकनीशियन, चार मसाजकर्ता, तीन फार्मासिस्ट। हर अस्पताल में प्रशासनिक स्टाफ व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, एक लेखाकार, एक स्टोर कीपर, एक पंजीकरण लिपिक, तीन चौकीदार, आठ वार्ड ब्वाय, दो रसोइया, चार धोबी, दो ड्रेसर, छह सफाई कर्मी और चार दाई समेत कुल 63 कर्मियों का स्टाफ होगा।

एक अस्पताल में चिकित्सा अधीक्षक, आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथिक विधाओं के एक-एक वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी होंगे। आयुष विभाग अपने पास पहले से मौजूद डिस्पेन्सरियों में तैनात चिकित्सकों को इन अस्पतालों में ट्रांसफर कर उन्हें चिकित्सा अधीक्षक और चिकित्सा अधिकारी बनाएगा।

आयुष के 16 अस्पतालों में 1000 भर्तियां होंगी

sscbankgk.in

हिन्दुस्तान जॉब्स

लखनऊ | शोभित मिश्र

प्रदेश के आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक व यूनानी डॉक्टरों के लिए अच्छी खबर है। प्रदेश के 16 जिलों में खुलने जा रहे आयुष अस्पतालों में जल्द ही डाक्टरों और पैरामेडिकल कर्मचारियों के 1000 पदों पर भर्तियां की जाएंगी।

हर अस्पताल में 63 कर्मचारियों की भर्ती होगी। प्रस्ताव आयुष मिशन सोसाइटी को बना कर भेज दिया गया है। शासन की मंजूरी के बाद इसे केंद्र सरकार को भेज दिया जाएगा। ये भर्तियां संविदा पर होंगी।

पहले चरण में अगले साल जून तक 16 अस्पताल खुलेंगे। उसके बाद सभी जिलों में इसी तरह के अस्पताल खोले जाएंगे। 50 बिस्तरों वाले इन अस्पतालों में मरीजों को भर्ती करने की सुविधा भी होगी।

इन जिलों में खुलेंगे अस्पताल

लखनऊ, कानपुर, बस्ती, वाराणसी, सोनभद्र, अमेठी, संतकबीरनगर, कानपुर देहात ललितपुर, कौशाम्बी, जालौन, देवरिया, बलिया, बरेली, सहारनपुर व कुशीनगर

केंद्र से धनराशि मंजूर पेज 10

हर जिले में बनेगा 50 बेड का आयुष अस्पताल : श्रीपद यशो नाइक

- केंद्रीय मंत्री ने कहा आयुष मंत्रालय प्रतिवर्ष 100 छात्रों को देगा रिसर्च फेलोशिप
- आरोग्यधाम में केंद्रीय मंत्री श्रीपद यशो नाइक ने किया छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

जागरण संवाददाता, चित्रकूट : आयुर्वेद की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए आयुष मंत्रालय देश के हर जिले में एक 50 बेड का आयुष अस्पताल बना रहा है। पिछले तीन साल में आयुष मंत्रालय ने इस प्रकार के 66 अस्पतालों का निर्माण प्रारम्भ किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत 19 नए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान संस्थानों में आयुर्वेद तथा अन्य आयुष चिकित्सा पद्धतियों का विभाग खोला जाएगा। अगले पांच साल में स्वास्थ्य मंत्रालय ने करीब डेढ लाख उप स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण की योजना बनाई गई है जिन्हें प्रधानतः आयुष के चिकित्सक चलायेंगे। इस प्रकार से आने वाले दिनों में आयुर्वेद के चिकित्सकों को हजारों रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

यह बातें केन्द्रीय मंत्री आयुष मंत्रालय श्रीपद यशो नाइक ने राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ द्वारा आयोजित पूर्ण आवासीय संहिता प्रशिक्षण कार्यक्रम 'चरक आयतन' के उद्घाटन करते हुए दीनदयाल शोध संस्थान के आरोग्यधाम में कहीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मंत्रालय ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान का निर्माण किया है। जिसका 17 अक्टूबर को द्वितीय आयुर्वेद दिवस पर प्रधानमंत्री लोकार्पण करेंगे। यह संस्थान विश्व का सबसे आधुनिक आयुर्वेद शिक्षा केन्द्र होगा। कहा कि आयुर्वेद के छात्र तथा अन्य विज्ञान पद्धतियों के छात्र भी आयुर्वेद में शोध कर सकें इसलिए आयुष मंत्रालय ने रिसर्च फेलोशिप का भी प्राविधान किया है। हर साल इस प्रकार से 100 छात्रों को रिसर्च फेलोशिप मिल सकती है। सचिव आयुष डा. राजेश कोटेचा ने कहा कि चरक संहिता आयुर्वेद चिकित्सा का आधार है यह आयुर्वेद की सबसे नैदानिक शास्त्रीय पाठ्य पुस्तक है, चरक संहिता काय चिकित्सा की मूल संहिता है।

INTEGRATED APPROACH OF ALTERNATIVE MEDICINE

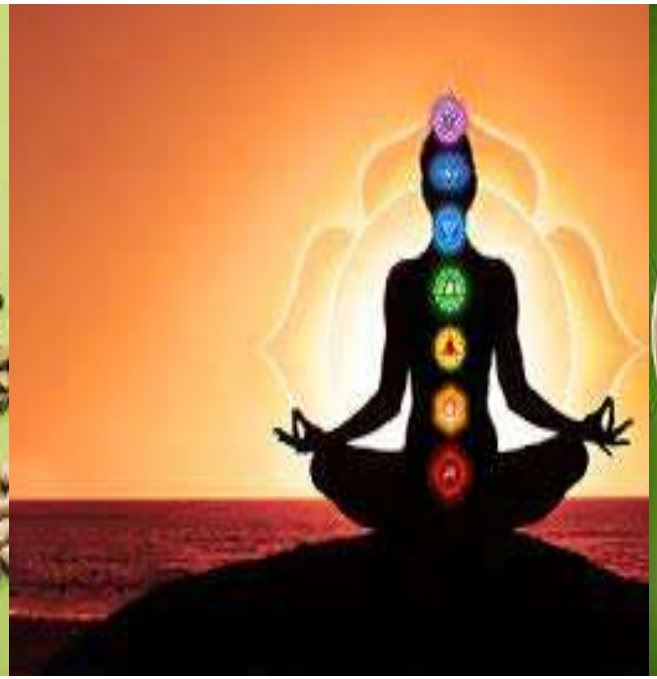

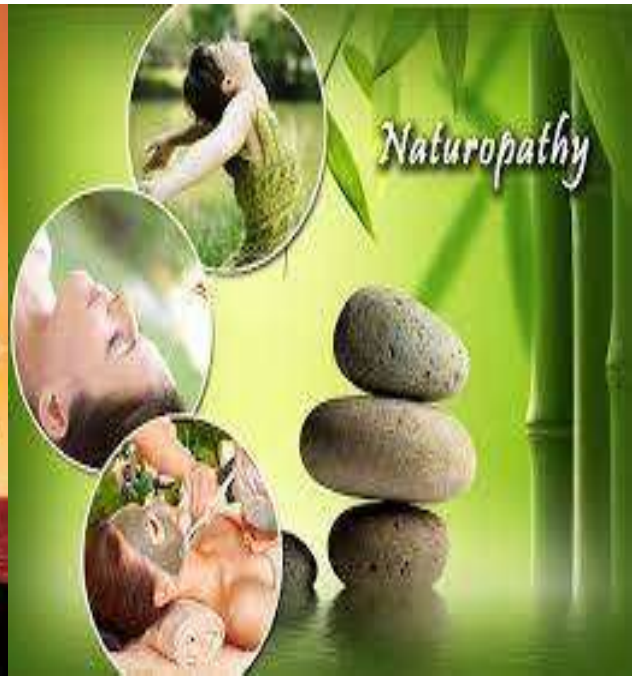

AYURVEDA

YOGA

NATUROPATHY

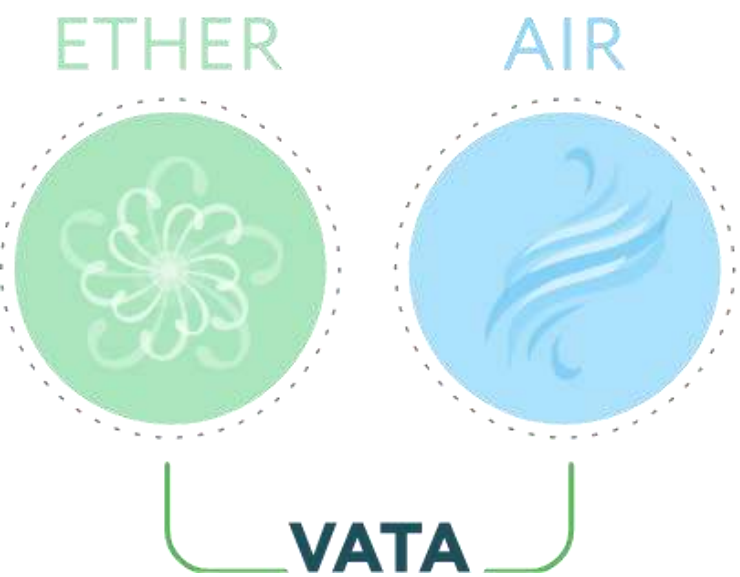

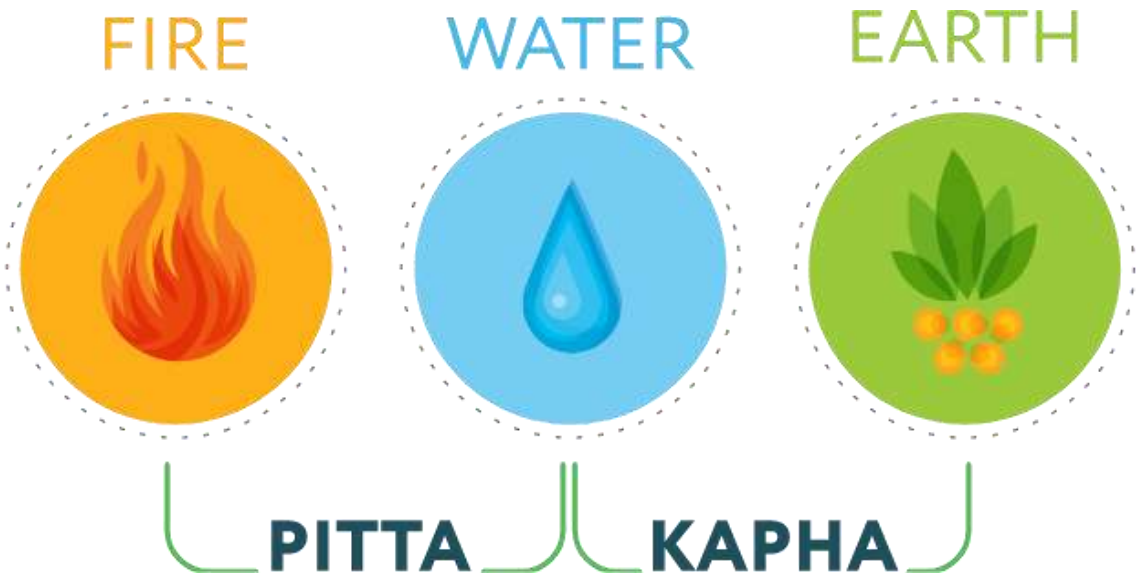

THE IMPORTANCE OF NUTRITION AND DIET IN ALL ALTERNATIVE MEDICINE FOR HOLISTIC HEALTH

WRITTI COLABORATED WITH WORLD HEALTH RESEACH & DEVELOPMENT ORGANIZATGION

WRITTI

HEALTH RESEARCH &
DEVELOPMENT OBSERVATORY

www.whrdo.org

www.writtihealth.com

पढ़ेगा इंडिया तो बढ़ेगा इंडिया

WRITTI HEALTH RESEARCH & DEVELOPMENT OBSERVATORY LLP

100% JOB GUARANTEE

+91 9351675715 +91-7014505985

nationalemployment.in

writtihealth@gmail.com

Church Road, Beawar, Raj.

WE ARE SEARCHING YOU

NATION NEEDS MORE THAN 4,00,000 HEALTH & WELLNESS THERAPIST TO SERVE THE HOLISTIC HEALTH

GET AN ADMISSION IN HEALTH & WELLNESS SCIENCE COURSES (DHWS & BHWS) & GET ON THE SPOT APPOINTMENT LETTER.

UPTO 100% EDUCATION LOAN, NO NEED TO PAY BEFORE JOB.

EXCELENT PAY SCALE WITH PROMOTIONS & MANY OTHER BENEFITS.

BECOME THERAPIST AND SERVE THE NEED OF COUNTRY.

WE OFFER THE COURSE FOR THIS TO BECOME HEALTH AND WELLNESS THERAPIST

- THE COURSE NAME IS DHWS (DIPLOMA IN HEALTH & WELLNESS SCIENCE)
- THE COURSE NAME IS BHWS (BACHLOR IN HEALTH & WELLNESS SCIENCE)
- COURSE CONTAINS ALMOST EVERY ASPECT OF AYUSH & ALTERNATIVE MEDICINE INCLUDING INDIAN TRADITIONAL MEDICINE SYSTEM.
- COURSE DURATION IS 3 YEARS + 6 MONTHS FOR DHWS & 4 YEARS + 6 MONTHS FOR BHWS INTERNSHIP.
- COURSE FEES FOR DHWS IS 349999 & FOR BHWS IS 649999 ONLY. INCLUDING ALL CHARGES AND COURSE MATERIAL.
- UPTO 100% EDUCATION LOAN FACILITY IS AVAILABLE.
- MEANS NO NEED TO PAY YOUR FEES BEFORE EARNINGS.
- GETTING ADMISSION IN THE COURSE WILL SECURE YOUR CARRIER IN THE FIELD OF HEALTH AND WELLNESS THERAPIST WITH NATIONAL EMPLOYMENT SERVICE GUARANTEE CARD OF RS*30000 TO RS*100000 PER MONTH ISSUED BY WRITTI HEALTH RESEARCH & DEVELOPMENT OBSERVATORY COMPANY.
- AFTER PASSING THIS COURSE CANDIDATE WILL GET RS*30000 TO RS*100000 PER MONTH SALARY FOR HEALTH AND WELLNESS COUNSELINGS & THERAPIES IN THE SOCIETY UNDER WRITTI HEALTH RESEARCH & DEVELOPMENT OBSERVATORY COMPANY BY FOLLOWING THE GUIDELINE OF GOVERNMENT.
- CANDIDATE WILL ALSO GET SO MANY OPPORTUNITIES FOR INCREMENT AND FACILITIES BY TIME.

WE OFFER THE COURSE FOR THIS TO BECOME HEALTH AND WELLNESS THERAPIST

THE COURSE NAME IS DHWS **(DIPLOMA IN HEALTH & WELLNESS SCIENCE)**

COURSE CONTAINS ALMOST EVERY ASPECT OF AYUSH & ALTERNATIVE MEDICINE INCLUDING INDIAN TRADITIONAL MEDICINE SYSTEM.

COURSE DURATION IS 3 YEARS + 6 MONTHS INTERNSHIP.

COURSE FEES IS 349999 ONLY. INCLUDING ALL CHARGES AND COURSE MATERIAL.

ELIGEBILITY: 12TH IN ANY STREAM.

UPTO 100% EDUCATION LOAN FACILITY IS AVAILABLE.

MEANS NO NEED TO PAY YOUR FEES BEFORE JOB.

GETTING ADMISSION IN THE COURSE WILL SECURE YOUR CARRIER IN THE FIELD OF HEALTH AND WELLNESS THERAPIST WITH NATIONAL EMPLOYMENT SERVICE ASSISTANCE GUARANTEE CARD OF RS*30000 PER MONTH TO RS*50000 PER MONTH ISSUED BY WRITTI HEALTH RESEARCH & DEVELOPMENT OBSERVATORY.

CANDIDATE WILL ALSO GET SO MANY OPPORTUNITIES FOR PROMOTIONS, INCREMENT AND EPA, RA, TA FACILITIES BY TIME.

THE COURSE NAME IS BHWS **(BACHLOR IN HEALTH & WELLNESS SCIENCE)**

COURSE CONTAINS ALMOST EVERY ASPECT OF AYUSH & ALTERNATIVE MEDICINE INCLUDING INDIAN TRADITIONAL MEDICINE SYSTEM.

COURSE DURATION IS 4 YEARS + 6 MONTHS INTERNSHIP.

COURSE FEES IS 649999 ONLY. INCLUDING ALL CHARGES AND COURSE MATERIAL.

ELIGEBILITY: 12TH IN ANY STREAM.

UPTO 100% EDUCATION LOAN FACILITY IS AVAILABLE.

MEANS NO NEED TO PAY YOUR FEES BEFORE JOB.

GETTING ADMISSION IN THE COURSE WILL SECURE YOUR CARRIER IN THE FIELD OF HEALTH AND WELLNESS THERAPIST WITH NATIONAL EMPLOYMENT SERVICE ASSISTANCE GUARANTEE CARD OF RS*70000 PER MONTH TO RS*100000 PER MONTH ISSUED BY WRITTI HEALTH RESEARCH & DEVELOPMENT OBSERVATORY.

CANDIDATE WILL ALSO GET SO MANY OPPORTUNITIES FOR PROMOTIONS, INCREMENT AND EPA, RA, TA FACILITIES BY TIME.

disclaimer note: The above entire advertisement and description does not endorse any kind of claim and has been given for the only purpose of increasing awareness and information about holistic health products and services in any/ every person, institution, group and unit of the society, but not for any superstition, fear, greed, any job or service offer or For the purpose of getting commercial profit and greed or to bring into this to someone. And its purpose is not to cause any kind of economic, mental, emotional, physical or social harm to any person, society, group, institution or organization. Therefore, it is advised that after reading, listening and understanding the above description carefully, all the readers will take a personal decision regarding the above without any pressure, according to their discretion, for which they themselves will be responsible.

BENEFITS OF ENTERING THIS TRAINING PROGRAM

1. Seeing the possibility of how employment-oriented and highly beneficial and useful this training program is for the humanity and the nation, the National Employment Services have offered employment guarantee cards to the entrants.
2. Instant availability of job offer letter along with employment counseling to ensure future financial security.
3. Convenient job opportunities in your own residential area cities and township.
4. On the very first day of admission by the entrants in this course run by WHRDO, they will be issued a job Appointment etter on the desk dated course completion by Writti Health Research and Development Observatory for 12 months of probation period. Means job is confirmed as soon as you enter the course

5. On the successful completion of the course, the minimum pay scale ranges from Rs.30,000 to Rs.100,000 per month as per the performance of your academic report.
6. After the probation period is done the provident fund facility starts for the employee. And salary increase from 10 to 15 percent every year as per the performance of your work report. And promotion after analysis of your consolidated work report in every three years. Availability of residence or allowance and travel allowance in case of transfer.
7. The opportunity to earn between the course duration for better understanding the market and the demand & supply psychology in very practical ways to make yourself productive and suitable for the future business and industrial culture.
8. All highly qualified Doctors, teachers & lecturers will guide, teach and share their lifetime Experiences and train the candidates in the field of holistic health and wellbeing to serve the best and expert HWT's (Health & Wellness Therapists) in the society

9. Area of working for the HWT's are: AYURVEDIC COUNCELLING, PHYSIOTHERAPY, MASSAGE THERAPY, OSTEOPATHY, NEUROTHERAPY, ACCUPRESSURE AND VACCUME THERAPY, NATUROPATHY, PSYCHOTHERAPY, DIET & NUTRITION COUNSELLING, YOGA THERAPY, MEDITATION THERAPY.

10. Candidate can work As Holistic Health Therapist & Counceller in the Hospitals, Health care Clinics, Rehabilitation centers, Naturopathy Retreat centers, Ayurvedic Hospitals, Yoga studios, Health care Research & development departments, Body Spa & Nourishment centers, Community Health Care Departments, Schools/ Colleges/ Institutions/ Sports Clubs/ Offices/ Industrial & Business culture Places and many Other Health Care Sectors and Fields.

11. And the last but not the least enter such a world of white collar profession to make yourself perfect to help the society to live the healthy life by giving them the Holistic help counselling & therapies where you find the satisfaction, Happiness, dignity, fame, prosperity, wealth, and health all together.

AREA OF SERVICES

HEALTH COUNSELLING

MANIPULATIVE THERAPIES

DIET & NUTRITION COUNSELLING

REHABILITATION ASSISTANCE

COMMUNITY HEALTH PROMOTER

GERIATRIC HEALTH CARE

COUNSELLOR

YOGA THERAPIST

YOGA THERAPIST

RESEARCH & DEVELOPMENT DEP.

SPORTS CLUBS

MASSAGE THERAPY,
ACCUPRESURE & NEUROTHERAPY

CORPORATE THERAPIST

NATUROPATHIC HOSPITALS & RETREAT CENTERS

SO WHY ARE YOU WAITING FOR? HURRY UP AND JOIN US TO SECURE YOUR EMPLOYMENT FUTURE.

Thank
you!